




## Women@Work


# Workplace Health & Empowerment Program

An initiative by **Samhita** with **AMHSSC**

Women@Work aims to build multi-stakeholder alliances and partnerships that co-create programs for a million low-income working women.

 @AMHSSCIndia

 @AMHSSCIndiaOfficial

 AMHSSCIndia

Website : [www.sscamh.com](http://www.sscamh.com)



## **REVIVE Women@work- an initiative to empower Indian Rural Women**

**By- Ms. Smritee Dwivedi, Senior Director Operations  
Apparel Made-Ups & Home Furnishing Sector Skill Council**

“If you educate a man you educate a person, but if you educate a woman you educate a family”, quoted by Sir Bingham Young nearly 70 years ago explains the relevance and importance of women education for the growth of any Nation.

The Patriarchal Social Structure and the relative rigid structure prevalent in India for decades has had deep set biases towards men and women in many societies. Men in general are given higher status and are considered decision makers, whereas women are blue printed as the home makers. Education for most of the rural women is a far-off dream or just a stepping stone for getting married. It is deeply rooted in their mindsets that they are not good enough or are rather incapable of doing better than taking care of the house hold and their family.

It has been found that gradually the number of girl students enrolling for school has increased, however nearly 80 % drop out before graduation and those who manage to graduate and find employment, are only able to work for 1-2 years before they quit.

Lack of resources due to the socio-economic background, prevalent gender discrimination, poor self-image, lesser opportunities available, lack of access to real world opportunities, poor health & hygiene due to inadequate nutrition and awareness are a few major barriers towards women growth & empowerment.

In the present scenario, when world is progressing day by day, gender equality in means of equal opportunities for both men and women is not only a pressing social and moral issue but also critical for the economic development of any Nation.

‘Education is fundamental towards upliftment of the women in a society’, keeping this agenda on priority, the Government of India created initiatives like Skill Development under the Ministry of Skill Development & Entrepreneurship, which further nominated various sector skill councils to successfully implement the Skill development drive across nation. The Council is steadfastly involved in the process of capacity building which has proved to be a catalyst in transforming the lives of many, especially women belonging to rural & economically backwards areas.

The trainings are imparted in 36 Apparel industry related Job roles which have been curated in accordance with National Skills Qualification Framework (NSQF), a nationally integrated education and competency-based framework that enables persons to acquire desired competency levels in various skills based on individual’s aptitude. In addition to job role related trainings, these candidates are also educated about digital and financial literacy, essential soft skills and the importance of proper health & hygiene.

Under one of such initiative, the Council jointly in collaboration with **Samhita -Collective Good Foundation-**, an organisation which has directly impacted lives of 1 million low-income working women will be steering REVIVEWomen@work initiative with an aim to maximise livelihood opportunities for these women. The training campaign is meant to boost their self-confidence & self-belief, educate them about their fundamental rights, enhance their soft skills, digital & financial literacy, make them aware of their physical & mental health so that they can not only advance in their carrier, secure better livelihood but also fulfil their personal aspirations.

\*\*\*\*\*



## कौशल और शिक्षा से होगा महिलाओं का सामाजिक न्याय

मौजूदा समय में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। महिलाएं किसी भी क्षेत्र में नौकरी करें, पुरुषों को पूरी टक्कर दे रही हैं। उसके बाद भी जो रिपोर्ट सामने आई है वो बड़ी ही चौकाने वाली है। क्योंकि महिलाएं इस मॉडर्न एरा में अपने सपनों को पूरी तरह से साकार नहीं कर पा रही हैं। उन्हें बीच में ही नौकरी छोड़नी पड़ रही है। समहिता एनजीओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 47 फीसदी महिलाएं वापस काम पर नहीं लौटी हैं। वहीं, कार्यबल में भी महिलाओं का योगदान करीब 20 फीसदी है, जो एशिया में सबसे कम है।

महिलाओं को शिक्षित करना भारत में कई सामाजिक बुराइयों जैसे- दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि को दूर करने की कुंजी साबित हो सकती है। यह निश्चित तौर पर देश के आर्थिक विकास में भी सहायक होगा, क्योंकि अधिक-से-अधिक शिक्षित महिलाएँ देश के श्रम बल में हिस्सा ले पाएंगी।

समहिता एनजीओ भारत सरकार द्वारा कौशल एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए गठित अपैरल मेडअप्स एंड होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल (एएमएचएसएससी) के साथ मिलकर महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर लगातार काम कर रही है। सीएसआर के तहत विभिन्न इंडस्ट्री के सहयोग से महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ उन्हें जॉब और स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अपैरल मेडअप्स एंड होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल के इस महिला सशक्तिकरण प्रोग्राम में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय, नेशनल स्किल डेवपलमेंट कॉरपोरेशन और अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल मुख्य भागीदार हैं।

सभी स्टैकहोल्डर मिलकर ट्रेनिंग देने वाली संस्था व यूनिवर्सिटी को मान्यता देना, कैंडिडेट को ट्रेनिंग के बाद असेसमेंट करके सर्टिफाइ करने, ट्रेनर्स को ट्रेनिंग देने, अपैरल इंडस्ट्री के स्किल गैप का अध्ययन कर कौशल प्रशिक्षण देना, संगठनों को सीएसआर की मदद लेकर प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं।

एएमएचएसएससी के साथ मुख्य रूप से एचडीएफसी, ओएनजीसी, राइट्स, इंडियन पोटाश लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, कॉनकोर, शिपिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, रिलायंस, न्यू इंडिया एश्योरेंस, इंडिया ट्रेड प्रमोशन काउंसिल, टीएनपीएल आदि हैं। इनके सीएसआर सहयोग से कौशल प्रशिक्षण देकर महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है।

18-45 वर्ष के लिए महिलाओं को खासतौर पर फोकस करने की जरूरत है। महिलाओं को नौकरी से दूरी बनाने की कई वजह हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शिक्षा फंड की कमी, वोकेशनल स्किल की कमी, अस्वस्थ्य होना, एडवांस स्किल की कमी के कारण उन्हें जॉब नहीं मिलता है। जो महिलाएं स्वरोजगार की ओर जाना चाहती हैं, उन्हें आर्थिक सहयोग नहीं मिलता है। मार्केटिंग स्किल, प्लानिंग की कमी, डिजिटल टूल्स की अज्ञानता भी स्वरोजगार में बाधा बन जाती है।

रिवाइव-वूमन एट वर्क इनिशिएटिव का उद्देश्य कम आय वाली महिलाओं को नौकरी और स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। सीधे तौर पर दस लाख महिलाओं को कुशल बनाया जाएगा। इसके लिए खास तौर पर 60 घंटे का ट्रेनिंग दी जाएगी।